पीएम मोदी की मालदीव, श्रीलंका की यात्रा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र- II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

8 जून, 2019

"दूसरी बार सत्ता में आई मोदी सरकार ने 'पड़ोसी पहले' (नेबरहुड फर्स्ट) नीति के लिए एक अच्छा संदेश भेजा है।"

नई दिल्ली की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति की पुन:पुष्टि में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली विदेश यात्रा मालदीव और श्रीलंका के लिए है और अगर बात एस. जयशंकर की करें, तो वे विदेश मंत्री के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा भूटान की करेंगे। कई पड़ोसी देशों के नेताओं को श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था।

श्री मोदी द्वारा माले की यह पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा है, इससे पहले उन्होंने नवंबर, 2018 में राष्ट्रपति अबू सालेह के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। यात्राओं के दौरान समझौतों की एक श्रृंखला की उम्मीद की जा रही है, जिसमें 800 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता भी शामिल है।

परियोजनाओं में एक क्रिकेट स्टेडियम, जल शोधन और सीवरेज प्रणाली, साथ ही तटीय निगरानी रडार प्रणाली और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के लिए एक समग्र प्रशिक्षण केंद्र को भी शामिल किया गया है। यह पड़ोसी देशों की जरूरतों को पूरा करने की भारतीय प्रथा का पालन करता है, जिसका चयन वे खुद ही करते हैं, जैसा इन्होंनें अफगानिस्तान के लिए किया था।

प्रधानमंत्री की मालदीव की यात्रा का उद्देश्य तीन-आयामी संदेश भेजना है: निकटतम पड़ोसियों के बीच उच्च-स्तरीय संपर्क को बनाये रखना, विकास साझेदारों के रूप में सहायता करना और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना। श्रीलंका के लिए, श्री मोदी का संदेश ईस्टर संडे के आतंकी हमलों और उसके बाद हुई सांप्रदायिक हिंसा के साथ-साथ 2017 में संयुक्त विकास परियोजनाओं पर द्विपक्षीय सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता के साथ जुड़ा है।

हमलों के बाद कोलंबो का दौरा करने वाले पहले अंतर्राष्ट्रीय नेता के रूप में उनकी यात्रा एक शक्तिशाली संदेश देती है क्योंकि श्रीलंका इस घटना के आघात से उबरने की कोशिश में लगा हुआ है और ऐसे में श्री मोदी की यात्रा मद्दगार साबित हो सकती है।

आज का माहौल श्री मोदी के पहले कार्यकाल में माले और कोलंबो में पिछली सरकारों के साथ तुलनात्मक रूप से पेचीदा संबंधों के विपरीत है। मोदी ने वर्ष 2015 में मालदीव की यात्रा की योजना बनाई थी, लेकिन मजबूत विरोध के बाद उन्हें अचानक अपनी यात्रा की योजना को रद्द करना पड़ा था।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के शासन के बारे में इसी तरह की गलतफहमी हुई थी। इस क्षेत्र में चीन की दखलंदाजी ने दोनों देशों के साथ एक साझा संबंध स्थापित किया था। यामीन सरकार द्वारा बीजिंग के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने और चीन को विकास के लिए भूमि देने पर भारत ने इसका कड़ा विरोध किया था।

इसने श्री राजपक्षे द्वारा भारी चीनी ऋणों के तहत चीनी कंपनियों को दी गई कई अवसंरचना परियोजनाओं पर अपनी नाराजगी स्पष्ट कर दी थी। माले और कोलंबो दोनों में चीनी नौसेना की उपस्थिति से गहरी चिंता पैदा हुई थी। हालांकि, अब स्थिति बदल गई है।

दोनों देशों की सरकारें बदल गई हैं। इसके अलावा, भारत ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर चीन के साथ निरंतर सहयोग के लिए अपना विरोध जताया है। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में यू.एस.-चीन व्यापार झगड़े और तनाव जैसे कारक अनिश्चितताएं पैदा कर रहे हैं, उस वक्त एक मजबूत पड़ोसी संबंध बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

GS World टीम...

भारत-मालदीव संबंध

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरी बार देश की सत्ता संभालने के बाद पहली विदेश यात्रा पर 8 जून को मालदीव जा रहे हैं।
- पीएम की इस यात्रा को भारत के पड़ोसी देशों के महत्व और 'पड़ोसी पहले' (नेबरहुड फर्स्ट) की नीति से जोड़कर देखा जा रहा है।
- पीएम मोदी मालदीव की संसद को भी संबोधित करेंगे, जिस पर भारत के सभी पड़ोसी देशों की नजरें होंगी।
- इसके बाद वे मालदीव से श्रीलंका जाएंगे।

पृष्ठभूमि

- मालदीव के साथ भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं।
- मालदीव के साथ नई दिल्ली का धार्मिक, भाषाई, सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंध है।
- वर्ष 1965 में आजादी के बाद मालदीव को सबसे पहले मान्यता देने वाले देशों में भारत शामिल था। बाद में भारत ने वर्ष 1972 में मालदीव में अपना दूतावास भी खोला।
- इब्राहिम सोलिह नवंबर, 2018 में मालदीव के राष्ट्रपति बने थे।
- पीएम नरेंद्र मोदी इब्राहिम सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के कार्यभार संभालने के बाद उनकी यह पहली विदेशी यात्रा है।

मुख्य बिंदु

- मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति दोनों दो रक्षा संबंधी परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे, जिसमें एक तटीय निगरानी रडार प्रणाली और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बलों (एमएनडीएफ) के लिए समग्र प्रशिक्षण केंद्र शामिल है।
- पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत के सागर (SAGAR) (सिक्योरिटी ऐंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन) सिद्धांत का आशय क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास सुनिश्चित करना है।

पिछले वर्ष समझौते से संबंधित मुख्य तथ्य

- भारत और मालदीव ने समुद्री डकैती, आतंकवाद, संगठित अपराध, मादक पदार्थों और मानव तस्करी समेत सामान्य चिंताओं के विषय पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी।
- भारत ने दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि, क्षमता निर्माण और पर्यटन के क्षेत्र में भागीदारी को मजबूत करने का आह्वान किया था।
- दोनों देशों के नेताओं ने मत्स्य विभाग, पर्यटन, यातायात, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और संचार के क्षेत्र में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रमंडल में दोबारा शामिल होने के निर्णय की सराहना की और देश के हिंद महासागर रिम एसोसिएशन में शामिल होने का स्वागत किया था।

भारत-मालदीव सम्बन्ध

- भारत और मालदीव के संबंध सामरिक, आर्थिक और सैन्य सहयोग में दोस्ताना और करीबी रहे हैं। भारत ने द्वीप राष्ट्र पर सुरक्षा बनाए रखने में योगदान दिया है।
- मालदीव अब कम विकसित देशों की श्रेणी से बाहर निकलकर एक मध्यम आय वाला देश बन गया है।
- भारत सरकार की ओर से मालदीव को दी जाने वाली सहायता की सराहना की गयी और घर एवं अवसंरचना विकास में निजी क्षेत्र की संलिप्तता, जल व निकासी प्रणाली, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा व पर्यटन क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों के विकास में सहयोग के लिए पहचान की गयी।
- मालदीव हिंद महासागर में स्थित 1200 द्वीपों का देश है, जो भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से काफी अहम है। मालदीव के समुद्री रास्ते से निर्बाध रूप से चीन, जापान और भारत को एनर्जी की सप्लाई होती है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
   1. वर्तमान में मालदीव राष्ट्रमंडल का सदस्य नहीं है।
   2. मालदीव जनसंख्या और क्षेत्रफल दोनों की दृष्टि से एशिया का सबसे छोटा देश है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) न तो 1, न ही 2

Q. Consider the following statements-

1. At present, Maldives is not a member of Commonwealth.
2. Maldives is the smallest country in Asia in regards to both population and area.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1

(b) Only 2

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्नः- मालदीव एवं श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत को किस प्रकार की रणनीति अपनानी चाहिए? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

Q. What type of strategy should India adopt to reduce the increasing influence of China in Maldives and Sri Lanka? Discuss. (250Words)

नोट : 7 जून को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) होगा।

Committed To Excellence